संजीव®

संशोधित एवं परिवर्द्धित नवीन संस्करण

2024-25

10 संभागों एवं 50 जिलों पर आधारित

राजस्थान सार संग्रह

नवीन मानचित्रों सहित

राजस्थान की समस्त प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु 'राजस्थान सामान्य ज्ञान' का श्रेष्ठ संकलन

- New ☆ **राजस्थान** के 10 संभाग एवं 50 जिले
- भाग-'A' ☆ **राजस्थान** का सामान्य परिचय एवं राजव्यवस्था
- भाग-'B' ☆ **राजस्थान** का भूगोल एवं अर्थव्यवस्था
- भाग-'C' ☆ **राजस्थान** का इतिहास एवं धरोहर
- भाग-'D' ☆ **राजस्थान** की कला एवं संस्कृति
- भाग-'E' ☆ **राजस्थान** सामान्य ज्ञान : विविध

मार्गदर्शक

मनोहर सिंह कोटड़ा [R.L.W.S.]
(सहायक श्रम आयुक्त)
विशेषज्ञ : राजस्थान सामान्य ज्ञान
लेखक, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण, जयपुर
R.A.S.-2012 एवं
R.A.S.-2013 में चयनित

एस.आर. आँजणा [R.R.D.S.]
(B.D.O)
1st Rank
शिक्षक भर्ती परीक्षा, 2004
वरिष्ठ अध्यापक, प्रधानाध्यापक (मा.शि.)
एवं R.A.S.-2012 में चयनित

संपादक एवं संकलनकर्ता

दीपा रत्नू (लेखिका)
M.A. (इतिहास), M.S.W., B.Ed.
विशेषज्ञ : राजस्थान सामान्य ज्ञान

विशेष आभार एवं संपादन सहयोग

डॉ. जयंतिलाल खंडेलवाल, मोहनलाल सुथार, डॉ. ओ.पी. पटेल, डॉ. दीपेश कुमार सैनी, सी.पी. शर्मा, संजय कुमार जैन, विक्रम रोहड़िया, डॉ. श्याम जाँगिड़, महेन्द्र सिंह सिसोदिया छायण, डॉ. आर.डी. गुर्जर, प्रभात वालिया, हाशम खान मेहर, सुभाष श्रीमाल, अर्जुन देवासी, ओम सरनाऊ, लोकेन्द्र कुमार गर्ग, अरुण ढाका, अविनाश कुमार बैरवा, हरपाल दादरवाल, ललित ठाकुर, गोरधन सिंह राठौड़, विपिन काला, दिलीप कविया, अजय जोशी, दिग्विजय सिंह, लक्षिता कँवर

संजीव प्रकाशन, जयपुर

- **प्रकाशक :**
  संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट,
  चौड़ा रास्ता, जयपुर-302003
  website : www.sanjivprakashan.com

- © **दीपा रत्नू**

- **संस्करण : 2024-25**
- **मूल्य : ₹ 500.00**
- *लेजर टाइपसैटिंग :*
  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर
- *मुद्रक :* पंजाबी प्रेस, जयपुर

–समर्पण–

भक्त कवि
ठाकुर नेनदान वणसूर
(1926-1997 ई.)

भक्तकवि ठा. नैनदान वणसूर का जन्म 1926 ई. में तत्कालीन मारवाड़ रियासत के जालोर परगने के कोटड़ा ठिकाणे (तहसील–आहोर) में हुआ। यह गाँव उनके पूर्वज मोतीसरी ठिकाणे (भाद्राजून, जालोर) के ठा. लक्ष्मीदान वणसूर को मारवाड़ के महाराजा गजसिंह (1619-1638 ई.) के शासनकाल में दक्षिण अभियान के तहत अहमदनगर की लड़ाई में सेना के अग्रिम दस्ते (हरावळ) में अद्‌भुत शौर्य एवं वीरता प्रदर्शित करने के उपरान्त 1620 ई. में जागीर में मिला।

आप भारतीय इतिहास, धर्मशास्त्रों (विशेषकर रामचरित मानस), राजस्थानी भाषा-साहित्य एवं लोक साहित्य के प्रकाण्ड विद्वान थे। 20वीं सदी के राजस्थानी डिंगल कवियों में आपका विशिष्ट स्थान है। आपकी भक्तिपरक रचनाओं के प्रमुख विषय लोक देवियाँ, लोकसंत, सनातन धर्म एवं नाथ सम्प्रदाय रहे हैं। जालोर स्थित सिरे मंदिर के पूज्य शांतिनाथजी महाराज के प्रति आपकी विशेष आस्था रही है। पूज्य महाराजजी भी आपका बहुत आदर एवं सम्मान करते थे। आपकी प्रमुख रचनाएँ करणाइष्टक, नाथ-स्तुति, जगन रो गीत, राजाराम वंदन इत्यादि हैं।

- ❑ इस पुस्तक में प्रामाणिक स्त्रोतों से विषय सामग्री का संकलन किया गया है, साथ ही इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं–
  email:sanjeevcompetition@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग, संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर।
  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- ❑ इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीक या तरीके– इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से संपादक (संकलनकर्ता) की अनुमति के बिना प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है।
- ❑ हमने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्त्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता या त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक (संकलनकर्ता) तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- ❑ सभी प्रकार के परिवादों का न्याय क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

प्राक्कथन

प्रिय साथियों,

वर्ष **2010** से **2024** तक की समयावधि में राजस्थान में आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पैटर्न एवं पाठ्यक्रम में व्यापक बदलाव हुआ है। **R.A.S.**-भर्ती का नया पैटर्न एवं पाठ्यक्रम वर्ष **2013** की भर्ती से लागू हो गया है। **R.A.S.** भर्ती की प्रारम्भिक परीक्षा **(Pre.)** के प्रश्न-पत्र एवं मुख्य परीक्षा **(Main)** के **I, II** एवं **III** प्रश्न-पत्रों में **20** से **30%** तक राजस्थान सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्नों का प्रावधान किया गया है। विगत वर्षों में जारी **R.A.S., CET,** कॉलेज व्याख्याता (अनिवार्य प्रश्न-पत्र), **Ist, 2nd, 3rd** ग्रेड शिक्षक भर्ती, **REET,** पटवार, राजस्थान पुलिस **(S.I.** एवं कांस्टेबल), ग्राम विकास अधिकारी **(VDO)**, कृषि पर्यवेक्षक, फायरमैन, पशु परिचर, एलडीसी **(Clerk-II)**, लेखाकार, कॉ-ऑपरेटिव बैंक, नर्स ग्रेड-**II,** वनपाल-वनरक्षक, संगणक, रोडवेज, लाइब्रेरियन, हाईकोर्ट, जे.ई.एन., सरस डेयरी **(RCDF)**, पशु परिचर इत्यादि भर्ती परीक्षाओं के पाठ्यक्रम में राजस्थान के सामान्य परिचय, प्रशासनिक व्यवस्था, भूगोल, अर्थव्यवस्था, इतिहास, धरोहर, स्वतंत्रता संग्राम, स्वतंत्रता के पश्चात् का राजस्थान, कला, संस्कृति, विरासत, राजस्थानी भाषा एवं बोलियाँ, राजस्थानी साहित्य एवं तेजी से बदलते आधारभूत ढाँचे (उद्योग, कृषि, वाणिज्य, व्यापार, सेवा क्षेत्र) से सम्बन्धी पहलुओं का समावेश किया गया है। इसी के साथ राजस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था, विभिन्न अधिकारों, आयोगों, बजट, आर्थिक समीक्षा इत्यादि से सम्बन्धी जानकारी भी पूछी जाती हैं। राज्य सरकार द्वारा लोक कल्याण एवं क्षेत्रीय विकास हेतु चलाये जा रहे फ्लैगशिप कार्यक्रमों एवं विविध विकास कार्यक्रमों-सम्बन्धी जानकारी भी महत्त्वपूर्ण है।

वर्तमान में राज्य के प्रतियोगियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु दो-तीन माह से अधिक समय नहीं मिलता। कई बार तो एक से अधिक प्रतियोगी परीक्षाएँ बहुत कम समयान्तराल पर आयोजित की जाती हैं। ऐसे में राजस्थान सामान्य ज्ञान के विविध पहलुओं के सारगर्भित एवं समेकित अध्ययन एवं सतत् अभ्यास **(Revision)** हेतु सरल भाषा में इस प्रामाणिक पुस्तक की रचना की गई है। विगत 20-25 वर्षों में राजस्थान में आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में 'राजस्थान सामान्य ज्ञान' से सम्बन्धित पूछे गये अधिक से अधिक प्रश्नोत्तरों को इस पुस्तक के सभी खण्डों में यथास्थान समावेशित किया गया है।

यद्यपि इस पुस्तक में 'राजस्थान सामान्य ज्ञान' से सम्बन्धित सभी विषयों का सारगर्भित समावेश किया गया है तथापि किसी प्रकार की त्रुटि की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट करने एवं पुस्तक की गुणवत्ता वृद्धि के सम्बन्ध में सुझाव देने हेतु आप सभी सुधी पाठकों के विचार सदैव आमंत्रित है।

राजस्थान के विद्यार्थियों में बेहद लोकप्रिय इस पुस्तक 'राजस्थान सार संग्रह' की परिकल्पना, परियोजना, विषयवस्तु संकलन एवं प्रामाणिकता के लिए मैं मार्गदर्शकगणों एम. एस. कोटड़ा एवं एस. आर. आँजणा एवं सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ।

इस पुस्तक के सम्पूर्ण कार्य के लिए दिन-रात मेहनत करके एक श्रेष्ठ पुस्तक तैयार करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए संजीव प्रकाशन, जयपुर के प्रबंध निदेशक डॉ. दीपेश कुमार सैनी एवं उनकी ऊर्जावान टीम के सदस्यों मनोज शर्मा, योगेश मित्तल, राजकुमार साधवानी, धीरज सोनी, शैलेन्द्र रोत्रवाल, महेन्द्र सिंह राठौड़, लखन गुर्जर, दीपक सैन, मुकेश सैनी एवं करण सिंह का भी विशेष आभार व्यक्त करती हूँ।

शुभकामनाओं सहित!

संकलनकर्ता

राजस्थान सार संग्रह 2024-25

• मनोहर सिंह कोटड़ा • एस. आर. आँजणा • दीपा रत्नू

अनुक्रमणिका

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पेज नम्बर

★ प्राक्कथन 3
★ राजस्थान का नवीनतम प्रशासनिक परिदृश्य : 10 संभाग एवं 50 जिले 6

भाग-'A' : राजस्थान का सामान्य परिचय एवं राजव्यवस्था

1. भारत के राष्ट्रीय परिदृश्य में राजस्थान 28
2. राजस्थान : सामान्य परिचय 30
3. राजस्थान का प्रशासनिक स्वरूप (राज्य स्तर) 53
4. राजस्थान में जिला स्तरीय प्रशासन 65
5. राजस्थान में स्थानीय स्वशासन 69

भाग-'B' : राजस्थान का भूगोल एवं अर्थव्यवस्था

1. राजस्थान की अवस्थिति एवं विस्तार 79
2. राजस्थान के भौतिक प्रदेश एवं भूगर्भीय शैल संरचना 84
3. राजस्थान की जलवायु 93
4. राजस्थान की मिट्टियाँ (मृदा संसाधन) 102
5. राजस्थान का अपवाह तंत्र : नदियाँ 105
6. राजस्थान का अपवाह तंत्र : झीलें 116
7. राजस्थान में जल संरक्षण, संग्रहण एवं कलात्मक जलस्त्रोत : कुएँ एवं बावड़ियाँ 121
8. राजस्थान में सिंचाई एवं पेयजल परियोजनाएँ 124
9. राजस्थान का कृषि परिदृश्य एवं कृषि जलवायु प्रदेश 134
10. राजस्थान में पशुपालन (पशु सम्पदा) 146
11. राजस्थान में वन (प्राकृतिक वनस्पति) एवं वन्यजीव संरक्षण 154
12. राजस्थान में खनिज संसाधन 168
13. राजस्थान में ऊर्जा संसाधन 178
14. राजस्थान के प्रमुख उद्योग एवं निर्यात 184
15. राजस्थान में परिवहन के साधन 192
16. राजस्थान में पर्यटन 203
17. राजस्थान में सहकारिता आंदोलन 235

अध्याय नं.	अध्याय का नाम	पेज नम्बर
18.	राजस्थान : जनगणना-2011	237
19.	राजस्थान का शैक्षिक परिदृश्य	243

भाग-'C' : राजस्थान का इतिहास एवं धरोहर

1.	राजस्थान के इतिहास के महत्त्वपूर्ण स्त्रोत	253
2.	राजस्थान के प्राचीन सभ्यता स्थल	262
3.	राजस्थान का इतिहास-I (जनपदकालीन राजस्थान, गुर्जर-प्रतिहार, परमार, गुहिल-सिसोदिया एवं राठौड़ राजवंश)	266
4.	राजस्थान का इतिहास-II (चौहान, हाड़ा, खींची, झाला, कच्छवाह, जाट, भाटी, यादव एवं मुस्लिम राजवंश, मुगल-राजपूत संबंध, इतिहास प्रसिद्ध युद्ध)	280
5.	राजस्थान में स्थापत्य : दुर्ग, महल, हवेलियाँ एवं छतरियाँ	293
6.	राजस्थान में 1857 की क्रान्ति	305
7.	राजस्थान में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान किसान और जनजाति आन्दोलन	308
8.	राजस्थान में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान प्रजामण्डल आन्दोलन	313
9.	राजस्थान का एकीकरण	320
10.	राजस्थान के स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रसिद्ध महिलाएँ	324

भाग-'D' : राजस्थान की कला एवं संस्कृति

1.	राजस्थान के लोक-संत एवं सम्प्रदाय	332
2.	राजस्थान के लोकदेवता एवं लोकदेवियाँ	338
3.	राजस्थान की हस्तकलाएँ (हस्तशिल्प)	348
4.	राजस्थान में लोकसंगीत	352
5.	राजस्थान में लोकनृत्य एवं लोकनाट्य	357
6.	राजस्थान में चित्रकला	362
7.	राजस्थान के त्योहार एवं मेले	368
8.	राजस्थान का लोकजीवन (रीति-रिवाज, वेशभूषा, आभूषण एवं खानपान)	375
9.	राजस्थान में जनजातियाँ व उनकी विशिष्ट संस्कृति	380
10.	राजस्थान में लोक-आस्था के केन्द्र	384
11.	राजस्थान : भाषा, बोलियाँ व सांस्कृतिक संस्थाएँ	389
12.	राजस्थान का साहित्य (राजस्थानी साहित्य एवं अन्य)	393

भाग-'E' : राजस्थान सामान्य ज्ञान : विविध

1.	राजस्थान के प्रतीक चिह्न	397
2.	राजस्थान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	399
3.	राजस्थान में खेलकूद	402
★	राजस्थान का नवीन मानचित्र	408

राजस्थान का नवीनतम प्रशासनिक परिदृश्य : 10 संभाग एवं 50 जिले

(7 अगस्त, 2023 को नवीन जिलों के गठन के पश्चात् की स्थिति)

- **17 मार्च, 2023** को **राजस्थान विधानसभा** में बजट के अन्तर्गत **वित्त एवं विनियोग विधेयक** पर चर्चा के दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री एवं वित्तमंत्री **श्री अशोक गहलोत** ने राज्य में **17 नवीन जिलों के गठन** एवं **02 जिलों (जयपुर, जोधपुर) के पुनर्गठन** (17 + 2 = **19**) की घोषणा की।
- राजस्थान में **19 नए जिलों** के गठन संबंधी अधिसूचना **5 अगस्त, 2023** को जारी की गयी, जिसके अनुसार इन जिलों की गठन तिथि **7 अगस्त, 2023** निर्धारित की गयी। उक्त **19 जिलों** का गठन पूर्ववर्ती **19 जिलों** श्रीगंगानगर, बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर, पाली, अजमेर, नागौर, भीलवाड़ा, टोंक, उदयपुर, जयपुर, सीकर, झुंझुनूँ, अलवर, भरतपुर, करौली, सवाईमाधोपुर एवं जैसलमेर जिलों के **पुनर्गठन** के फलस्वरूप किया गया है। उक्त में से **18 जिलों** का पुनर्गठन **7 अगस्त, 2023** को किया गया, इससे पूर्व **3 अगस्त, 2023** को **जैसलमेर** जिले की पोकरण तहसील की **नोख उप तहसील** के 32 गाँव तत्कालीन जोधपुर जिले एवं वर्तमान **फलौदी** जिले की बाप तहसील में स्थानान्तरित किये गये।
  उपर्युक्त गठन/पुनर्गठन प्रक्रिया (3 एवं 5 अगस्त, 2023) में राज्य के **14 जिलों** चूरू, हनुमानगढ़, चित्तौड़गढ़, कोटा, बूँदी, बाराँ, झालावाड़, सिरोही, राजसमंद, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, प्रतापगढ़, दौसा एवं धौलपुर का **पुनर्गठन नहीं** हुआ अर्थात् उस जिलों में **यथास्थिति** है।
- दिनांक **6 अक्टूबर, 2023** को **छत्तरगढ़** एवं **खाजूवाला तहसीलें** अनूपगढ़ जिले से पृथक् करके पुन: **बीकानेर जिले** में सम्मिलित कर दी गयी हैं।

राजस्थान का नवीनतम सार संग्रह

1.	**सम्भाग**	10
2.	**जिले**	50
3.	**जिलों की संख्या की दृष्टि से देश में राजस्थान का स्थान**	तीसरा
4.	**उपखण्ड**	323
5.	**तहसीलें एवं उप तहसीलें**	426 एवं 232
6.	**जिला परिषदें**	33
7.	**पंचायत समितियाँ**	365
8.	**ग्राम पंचायतें**	11,214
9.	**नगर निगम**	13
10.	**नगर परिषदें**	52
11.	**नगर पालिकाएँ**	224
12.	**कुल नगरीय निकाय**	289
13.	**नगर विकास प्राधिकरण**	04
14.	**नगर सुधार न्यास (U.I.T.)**	14
15.	**लोकसभा सीट**	25
16.	**राज्यसभा सीट**	10
17.	**विधानसभा सीट**	200
18.	**सड़कों की कुल लम्बाई (मार्च, 2023)**	3,01,810.86 किमी.
19.	**सड़क घनत्व (प्रति वर्ग 100 किमी.)**	88.18 किमी. (मार्च, 2023)
20.	**राष्ट्रीय राजमार्ग (NH)**	52
21.	**राज्य उच्च मार्ग (SH)**	192
22.	**परिवहन जिले (D.T.O.)**	61
23.	**रेलमार्ग की लंबाई (31.03.2023)**	6138.70 किमी.
24.	**रेलमार्ग से वंचित जिले**	बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़
25.	**राष्ट्रीय राजमार्ग से वंचित जिला**	डीग
26.	**अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा**	01
27.	**नागरिक हवाई अड्डे**	07
28.	**सैनिक हवाई अड्डे**	06

29.	**हवाई पट्टियाँ (राजकीय + निजी)**	23 (19 + 4)
30.	**वन क्षेत्र**	9.61%
31.	**जन्तुआलय**	05
32.	**मृगवन**	07
33.	**कंजर्वेशन रिजर्व**	36
34.	**आखेट निषिद्ध क्षेत्र**	33
35.	**प्रादेशिक वन मण्डल**	38
36.	**राष्ट्रीय उद्यान (NP)**	03
37.	**बाघ परियोजनाएँ (PT)**	05
38.	**रामसर (नमभूमि) स्थल**	02
39.	**वन्य जीव अभयारण्य**	26
40.	**औसत वार्षिक वर्षा**	57.51 सेमी
41.	**कृषि-जलवायु प्रदेश**	10
42.	**कृषि जोत का औसत आकार**	3.07 हैक्टेयर
43.	**पशुधन (पशु संख्या)**	5.68 करोड़
44.	**पुलिस जिले**	61
45.	**सशस्त्र पुलिस बटालियन (MBC सहित)**	17
46.	**अधिष्ठापित विद्युत क्षमता (दिस., 2023)**	24255.21 MW
47.	**विद्युत वितरण जिले**	36
48.	**प्रति व्यक्ति विद्युत उपभोग**	1481.10 KW
49.	**राजकीय विश्वविद्यालय (राज्य वित्त पोषित)**	34
50.	**डीम्ड विश्व विद्यालय**	08
51.	**राष्ट्रीय महत्त्व के शिक्षण संस्थान**	06
52.	**राज्य स्तरीय सहकारी संघ**	23
53.	**केन्द्रीय सहकारी बैंक**	29
54.	**भौतिक प्रदेश (सामान्य)**	04
55.	**मिट्टियों के प्रकार (कृषि विभाग), राज.**	14
56.	**मिट्टियों के प्रकार (ICAR)**	08
57.	**मिट्टियों के प्रकार (अमेरिकन वर्गीकरण)**	05

राजस्थान के 50 जिले एवं सम्मिलित तहसीलें

संभाग	क्र.सं.	जिला	तहसीलें	तहसीलों की संख्या
अजमेर संभाग	1.	**अजमेर**	अजमेर, पुष्कर, पीसांगन, नसीराबाद, किशनगढ़, रूपनगढ़, अराई	7
	2.	**ब्यावर**	ब्यावर, टाटगढ़, जैतारण, रायपुर, मसूदा, विजयनगर, बदनोर	7
	3.	**केकड़ी**	केकड़ी, सावर, भिनाय, सरवाड़, टांटोटी, टोडारायसिंह	6
	4.	**टोंक**	टोंक, देवली, नगरफोर्ट, दूनी, निवाई, पीपलू, उनियारा, अलीगढ़, मालपुरा	9
	5.	**नागौर**	नागौर, मूण्डवा, खींवसर, जायल, डेह, मेड़ता, रियांबड़ी, डेगाना, सांजू	9
	6.	**डीडवाना-कुचामन**	डीडवाना, कुचामन सिटी, मौलासर, छोटी खाटू, लाडनूं, परबतसर, मकराना, नावां	8
	7.	**शाहपुरा**	शाहपुरा, जहाजपुर, काछोला, फूलिया कलां, बनेडा, कोटड़ी	6
बाँसवाड़ा संभाग	8.	**बाँसवाड़ा**	बाँसवाड़ा, अंबापुरा, अरथूना, आनन्दपुरी, कुशलगढ़, गढ़ी, गनोड़ा, गाँगड़तलाई, घाटोल, छोटी-सरवन, बागीदोरा, सज्जनगढ़	12
	9.	**डूंगरपुर**	डूंगरपुर, आसपुर, गलियाकोट, गामड़ी-अहाड़ा, चिखली, झौथरीपाल, दोवड़ा, पालदेवल, बिछीवाड़ा, सागवाड़ा, साबला, सीमलवाड़ा (मु. थम्बोला), ओबरी	13
	10.	**प्रतापगढ़**	प्रतापगढ़, अरनोद, छोटी सादड़ी, दलोट, धरियावाद, पीपलखूंट, सुहागपुरा	7
भरतपुर संभाग	11.	**भरतपुर**	भरतपुर, बयाना, वैर, भुसावर, रूपवास, रूदावल, उच्चैन, नदबई	8
	12.	**डीग**	डीग, जनूथर, कुम्हेर, रारह, नगर, सीकरी, कामां, जुरहरा, पहाड़ी	9
	13.	**धौलपुर**	धौलपुर, बसेड़ी, बाड़ी, मनिया, राजाखेड़ा, सेंपऊ, सरमथुरा, बसई नवाब	8
	14.	**करौली**	करौली, मासलपुर, सपोटरा, मण्डरायल, हिण्डौन, सूरौठ, श्रीमहावीरजी	7
	15.	**सवाई माधोपुर**	सवाई माधोपुर, खण्डार, चौथ का बरवाड़ा, बौंली, मित्रपुरा, मलारनाडूंगर	6
	16.	**गंगापुर सिटी**	गंगापुर सिटी, तलावड़ा, वजीरपुर, बामनवास, बरनाला, टोडाभीम, नादोती, बालघाट	8
बीकानेर संभाग	17.	**बीकानेर**	बीकानेर, लूणकरणसर, नोखा, पूगल, श्रीडूंगरगढ़, कोलायत, हदा, बज्जू,छत्तरगढ़, खाजूवाला, जसरासर	11
	18.	**श्रीगंगानगर**	श्रीगंगानगर, श्रीकरणपुर, सूरतगढ़, सार्दुलशहर, पदमपुर, गजसिंहपुर	6
	19.	**अनूपगढ़**	अनूपगढ़, रायसिंहनगर, श्रीविजयनगर, घड़साना, रावला	5
	20.	**हनुमानगढ़**	हनुमानगढ़, टिब्बी, नोहर, पल्लू, पीलीबंगा, भादरा, रावतसर, संगरिया	8
जयपुर संभाग	21.	**जयपुर**	**जयपुर** (नगर निगम जयपुर हेरिटेज, नगर निगम जयपुर ग्रेटर), **कालवाड़** (नगर निगम जयपुर ग्रेटर), **आमेर** (नगर निगम जयपुर हेरिटेज), **सांगानेर** (नगर निगम जयपुर ग्रेटर)	4 (आंशिक)
	22.	**जयपुर ग्रामीण**	**जयपुर** (नगर निगम जयपुर हेरिटेज, नगर निगम जयपुर ग्रेटर के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोड़कर शेष समस्त भाग), **कालवाड़** (नगर निगम जयपुर ग्रेटर के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोड़कर शेष समस्त भाग), **सांगानेर** (नगर निगम जयपुर ग्रेटर के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोड़कर शेष समस्त भाग), **आमेर** (नगर निगम जयपुर हेरिटेज के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोड़कर शेष समस्त भाग), जालसू, बस्सी, तूंगा, चाकसू, कोटखावदा, जमवारामगढ़, आंधी, चौमू, फुलेरा (मुख्यालय -सांभरलेक), माधोराजपुरा, रामपुरा डाबड़ी, किशनगढ़ रेनवाल, जोबनेर, शाहपुरा	4 (आंशिक) + 14
	23.	**दूदू**	दूदू, मौजमाबाद, फागी	3
	24.	**कोटपूतली-बहरोड़**	कोटपूतली, बहरोड़, बानसूर, नीमराना, मांढण, नारायणपुर, विराटनगर, पावटा	8
	25.	**दौसा**	दौसा, नांगल राजावतान, निर्झरना, बैजूपाडा, बसवा, बहरावण्डा, बांदीकुई, मण्डावर, महवा, रामगढ़ पचवारा, राहूवास, लवाण, लालसोट, सैंथल, सिकराय, कुण्डल, पापड़दा, भाण्डारेज	**18** (सर्वाधिक)

संभाग	क्र.सं.	जिला	तहसीलें	तहसीलों की संख्या
	26.	**अलवर**	अलवर, गोविन्दगढ़, रैणी, लक्ष्मणगढ़, मालाखेड़ा, राजगढ़, टहला, रामगढ़, नौगावा, थानागाजी, प्रतापगढ़, कठूमर	12
	27.	**खैरथल-तिजारा**	खैरथल, तिजारा, किशनगढ़बास, कोटकासिम, हरसोली, टपूकडा, मुंडावर	7
जोधपुर संभाग	28.	**जोधपुर**	**तहसील जोधपुर** का नगर निगम जोधपुर के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग (उपखण्ड-जोधपुर उत्तर), **तहसील जोधपुर** का नगर निगम जोधपुर के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग (उपखण्ड-जोधपुर दक्षिण)	**1 (आंशिक)**
	29.	**जोधपुर ग्रामीण**	**तहसील जोधपुर** का नगर निगम जोधपुर के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोड़कर शेष समस्त भाग (उपखण्ड-जोधपुर उत्तर), **तहसील जोधपुर** का नगर निगम जोधपुर के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोड़कर शेष समस्त भाग (उपखण्ड-जोधपुर दक्षिण), कुड़ीभगतासनी, लूणी, झंवर, बिलाड़ा, भोपालगढ़, पीपाड़सिटी, ओसियां, तिंवरी, बावड़ी, शेरगढ़, बालेसर, सेखाला, चामू	1 (आंशिक) + 13
	30.	**फलौदी**	फलौदी, लोहावट, आऊ, देचू, सेतरावा, बाप, घंटियाली, बापिणी	8
	31.	**जैसलमेर**	जैसलमेर, पोकरण, फतेहगढ़, फलसुण्ड, भणियाणा, रामगढ़, सम	7
	32.	**बाड़मेर**	बाड़मेर, बाड़मेर ग्रामीण, बाटाडू, गड़रारोड़, रामसर, चौहटन, धनाउ, धोरीमन्ना, गुड़ामालानी, नोखडा, सेड़वा, शिव	12
	33.	**बालोतरा**	पचपदरा, कल्याणपुर, सिवाना, समदड़ी, बायतु, गिड़ा, सिणधरी, पाटोदी	8
कोटा संभाग	34.	**कोटा**	कनवास, दिगोद, पीपलदा, रामगंजमण्डी, लाडपुरा, सांगोद, चेचट	7
	35.	**बूँदी**	बूँदी, इन्द्रगढ़, केशोरायपाटन, तालेड़ा, नैनवा, हिण्डोली, रायथल	7
	36.	**बाराँ**	बाराँ, अटरू, अन्ता, किशनगंज, छबड़ा, छीपाबड़ौद, मांगरोल, शाहबाद	8
	37.	**झालावाड़**	अकलेरा, असनावर, खानपुर, गंगधार, झालरापाटन, डग, पचपहाड़, पिड़ावा, बकानी, मनोहरथाना, रायपुर, सुनेल	12
पाली संभाग	38.	**पाली**	पाली, सोजत, मारवाड़ जंक्शन, सुमेरपुर, बाली, रोहट, देसूरी, रानी	8
	39.	**जालोर**	जालोर, आहोर, भाद्राजून, सायला, भीनमाल, जसवन्तपुरा	6
	40.	**सांचौर**	सांचौर, बागौड़ा, चितलवाना, रानीवाड़ा	4
	41.	**सिरोही**	सिरोही, आबूरोड़, देलदर, पिण्डवाड़ा, रेवदर, शिवगंज	6
सीकर संभाग	42.	**सीकर**	सीकर, सीकर ग्रामीण, फतेहपुर, रामगढ़ शेखावाटी, लक्ष्मणगढ़, नेछवा, धोद, दाँतारामगढ़, खण्डेला, रींगस	10
	43.	**नीमकाथाना**	नीमकाथाना, पाटन, श्रीमाधोपुर, उदयपुरवाटी, खेतड़ी	5
	44.	**झुंझुनूँ**	झुंझुनूँ, गुढ़ागौड़जी, नवलगढ़, बुहाना, चिड़ावा, मण्डावा, बिसाऊ, मलसीसर, सूरजगढ़, पिलानी	10
	45.	**चूरू**	चूरू, तारानगर, बीदासर, भानीपुरा, रतनगढ़, राजगढ़, सुजानगढ़, सरदारशहर, सिद्धमुख, राजलदेसर	10
उदयपुर संभाग	46.	**उदयपुर**	ऋषभदेव, कुरावड़, कानोड़, कोटड़ा, खेरवाड़ा, गिर्वा, गोगुंदा, झाडोल, नयागांव, बडगाँव, भीण्डर, मावली, वल्लभनगर, सायरा, फलासिया, घासा, बारापाल	17
	47.	**सलूम्बर**	सलूम्बर, सराड़ा, सेमारी, लसाड़िया, झल्लारा	5
	48.	**चित्तौड़गढ़**	चित्तौड़गढ़, कपासन, गंगरार, डूँगला, निम्बाहेड़ा, बेगूं, बड़ीसादड़ी, बस्सी, भदेसर, भूपालसागर, रावतभाटा, राशमी	12
	49.	**भीलवाड़ा**	भीलवाड़ा, माण्डलगढ़, बिजौलिया, सवाईपुर, रायपुर, सहाड़ा, आसीन्द, करेड़ा, हमीरगढ़, माण्डल, हुरड़ा, अंटाली	12
	50.	**राजसमंद**	राजसमन्द, आमेट, कुम्भलगढ़, कुवांरिया, खमनोर, गढ़बोर, देलवाड़ा, देवगढ़, नाथद्वारा, भीम, रेलमगरा, सरदारगढ़	12
नोट–राजस्थान में सर्वाधिक 18 तहसीलें **दौसा जिले** में एवं सबसे कम 01 तहसील (आंशिक) **जोधपुर जिले** में हैं।				**योग– 426**

(स्रोत : राजस्व मंडल, अजमेर, 09.02.2024)

राजस्थान के नवगठित 19 जिले : महत्त्वपूर्ण जानकारी एवं तहसील मानचित्र

1. जिला–ब्यावर

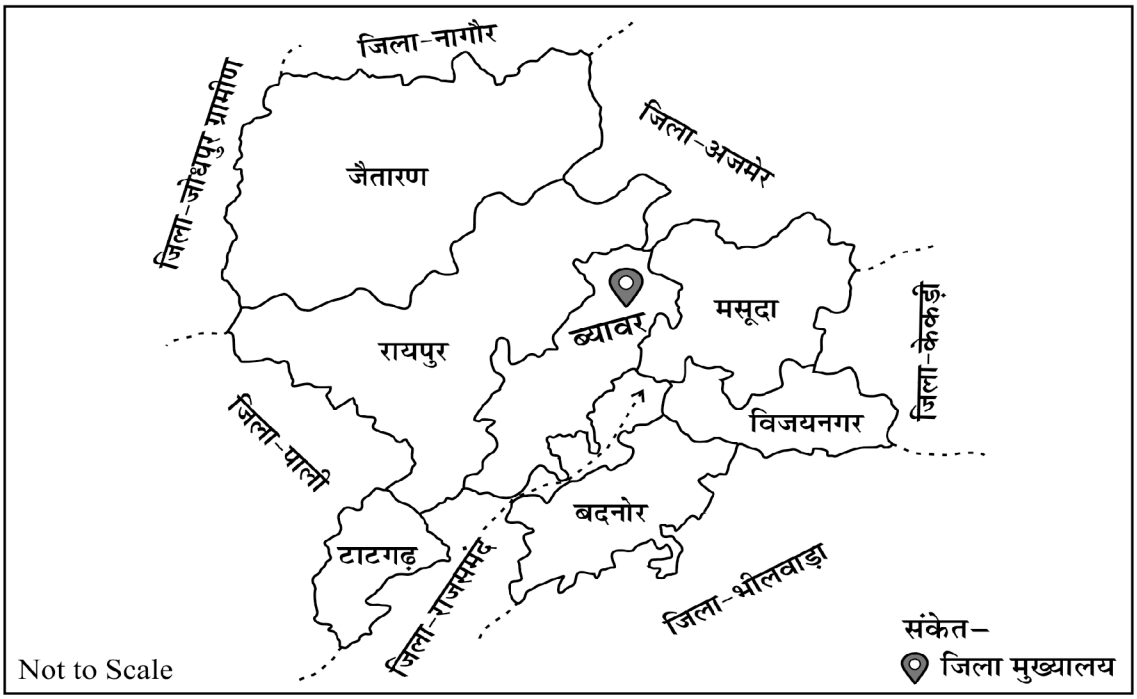

ब्यावर जिला : एक दृष्टि में

- **ब्यावर : कर्नल जॉर्ज डिक्सन** द्वारा **1825 ई.** में एक सैनिक छावनी के रूप में स्थापित नगर।
- **पूर्व जिलों का क्षेत्र सम्मिलित**–अजमेर, पाली, भीलवाड़ा।
- **जिला मुख्यालय का निवर्तमान जिला**–अजमेर।
- **जिला मुख्यालय की अवस्थिति**–26°10′ उत्तरी अक्षांश, 74°31′ पूर्वी देशांतर।
- **जिला मुख्यालय का नगर निकाय**–नगर परिषद्।
- **जिला मुख्यालय का वाहन रजिस्ट्रेशन क्रमांक**–RJ-36
- **जिला मुख्यालय की समुद्रतल से ऊँचाई**–439 मीटर
- **जिला मुख्यालय/जिले का उपनाम**–मेरवाड़ा का केन्द्र।
- **जिला मुख्यालय की साक्षरता दर (जनगणना-2011)**–64.2%
- **जिला मुख्यालय की जनसंख्या (जनगणना-2011)**–3,42,935
- **जिला मुख्यालय का पिनकोड**–305901

ब्यावर जिले के उपखण्ड एवं तहसीलें

क्र.सं.	उपखण्ड	तहसील	पूर्व जिला
1.	ब्यावर	ब्यावर	अजमेर
2.	टाटगढ़	टाटगढ़	अजमेर
3.	मसूदा	मसूदा	अजमेर
		विजयनगर	अजमेर
4.	जैतारण	जैतारण	पाली
5.	रायपुर	रायपुर	पाली
6.	बदनोर	बदनोर	भीलवाड़ा

☆ **सीमावर्ती जिले**–नागौर, अजमेर, केकड़ी, भीलवाड़ा, राजसमंद, पाली, जोधपुर ग्रामीण।

- **जिला मुख्यालय का रेल संपर्क**–ब्यावर स्टेशन (अजमेर–मारवाड़ जंक्शन रेलखंड)।
- **जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग**–NH-25, NH-58, NH-158
- **जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल**–शूलब्रीड मेमोरियल चर्च (राजस्थान का प्रथम चर्च, 1860 ई. में स्थापित), टाटगढ़ दुर्ग, प्रज्ञा शिखर जैन तीर्थ, पावन धाम जैतारण, बदनोर दुर्ग, गिरी–सुमेल युद्ध स्थल, बिरांटिया खुर्द रामदेव मंदिर, कुड़की महादेव, अलख गुसांई मंदिर भूम्बलिया, चाँपाजी मंदिर लाम्बिया, मीरां नगरी एवं फोर्ट कुड़की, टाटगढ़ रावली वन्यजीव अभयारण्य, दूधलेश्वर महादेव, नागिन सड़क टॉडगढ़–कटार घाटी, बर–सेंदड़ा (भू–पर्यटन स्थल), मगरमण्डी माता मंदिर निमाज (9वीं–10वीं सदी में निर्मित), कुशला माता मंदिर बदनोर इत्यादि।
- **विशेष विवरण**–कृष्णा सूती वस्त्र मिल, तिलपट्टी–गजक उद्योग, सीमेंट उद्योग, ब्यावर में तेजाजी महाराज का मेला (तेजा दशमी), बादशाह की सवारी (होली ते त्योंहार पर)।